हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शनिवार, 23 दिसंबर 2023

13 गीता युद्ध के मैदान में रचा गया दुनिया इकलौता ग्रंथ

14 आपसी तालमेल के अभाव में रुका शहर का विकास, अब किया मंथन

खबर संक्षेप

सड़क हादसे में बाइक चालक की मौत

कनीना। गांव भड़फ के समीप सड़क हादसे में बाइक चालक की मौत हो गई। भड़फ वासी राजेश कुमार ने बताया कि रात करीब 11 बजे खेत में फसल की सिंचाई करने के लिए पैदल जा रहा था। गैस एजेंसी के समीप पहुंचा तो एक बाइक चालक बस स्टैंड की ओर जा रहा था, पीछे से सफेद रंग की कार ने बाइक को टक्कर मार दी। वह बाइक सहित दूर झाड़ियों में गिरने से घायल हो गया।

खैराना के किसान के 50 कट्टे सरसों चोरी

कनीना। गांव भोजावास से अज्ञात चोर किसान के ट्यूबवेल से 50 कट्टे सरसों चोरी कर लिए। अजीत वासी खैराना ने सदर बताया कि उसने भोजावास की सीमा में ट्यूबवेल व मकान बनाए हुए हैं। जहां एक कमरे में खेत की सरसों कट्टों में भरकर रखी हुई थी। 21 दिसंबर को दोपहर डेढ़ बजे जाकर देखा तो कमरे में रखी हुई सरसों में से 50 कट्टे गायब मिले।

ट्यूबवेल से फव्वारा नोजल चोरी

कनीना। कनीना में किसानों के ट्यूबवेलों से फव्वारा नोजल चोरी का केस दर्ज किया है। वार्ड पांच निवासी थावर सिंह ने बताया कि उनके कुएं से अज्ञात चोर 10 फव्वारा नोजल चोरी कर ले गए। भरत सिंह के ट्यूबवेल से 10 नोजल, सुरेंद्र के कुएं से 20 नोजल, बहादुर सिंह के खेत से 10 नोजल, कृष्ण के कुएं से 10 नोजल, कंवर सिंह के कुएं से चार नोजल अज्ञात चोर चोरी कर ले गए।

ट्रैक्टर से गेहूं की फसल नष्ट, सात नामजद

कनीना। गांव रसूलपुर में ट्रैक्टर से गेहूं की फसल को नष्ट करने व रोकने पर मारपीट करने तथा धमकी देने के आरोप में पुलिस ने सात व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। 72 वर्षीय ओमप्रकाश ने थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वीरवार सुबह बिजेंद्र, संगीता, सिलपति, अनिता लाठी-डंडे सहित ट्रैक्टर लेकर उनके खेत में पहुंचे और बिजाई की गई गेहूं की फसल को नष्ट करने लगे। मना किया तो परिवार सहित जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट की।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आज से

नारनौल। संतोष मेमोरियल पुनर्वास केंद्र नसीबपुर 23 से 25 दिसंबर तक तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएग। निदेशक डॉ. आरएन यादव ने बताया कि इसमें राज्य मंत्री ओपी मुख्य अतिथि होंगे।

विष्णु कॉलोनी में भजन संध्या 26 को

महेंद्रगढ़। रेलवे रोड स्थित विष्णु कॉलोनी में 26 दिसंबर की शाम लाला मंगतुराम महाश्य धर्मशाला में माधोगढ़िया परिवार का श्री सालासर बालाजी का जागरण संकीर्तन भजन संध्या होगी। नवीन माधोगढ़िया ने बताया की इसमें कलाकार साक्षी अग्रवाल जयपुर व आनंद सोनी बालाजी महाराज का गुणगान करेंगे। कार्यक्रम में राम अवतार बंसल, विनोद जैन एवं कपिल जैन शामिल होंगे।

शिक्षा के लिए महिलाओं को ब्याज में मिलेगी छूट

नारनौल। हरियाणा महिला विकास निगम की ओर से देश व विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए लड़कियों व महिलाओं को बैंकों के माध्यम से ऋण प्राप्त करने पर ब्याज दर में पांच प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। डीसी मोनिका गुप्ता ने बताया कि लड़कियों व महिलाओं को देश व विदेश में तकनीकी, डिप्लोमा, स्नातकोत्तर, पीएचडी व अन्य उच्च शिक्षा कोर्स में दाखिला लेने के लिए महिला विकास निगम बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध करवाएगा। जिसके ब्याज में पांच प्रतिशत का अनुदान दिया जाएगा।

पहाड़ों की वादियो में बसे शिमला से भी ठंडी रही दक्षिणी हरियाणा के मरूस्थल की रात

जिले में वीरवार की रात 3.4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा न्यूनतम तापमान, सर्द हवाओं व बादलवाई से बढ़ी ठंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हिमालय की हिमाच्छादित शिखरों से आ रही बर्फिली उत्तरी हवाएं हरियाणा एनसीआर दिल्ली विशेषकर जिले पर अपने तीखे तेवरों से आगाज किए हुए हैं। सम्पूर्ण इलाके में मौसम साफ और शुष्क बना हुआ है। शनिवार को मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिलेगा। शुक्रवार को हरियाणा के पश्चिमी जिलों विशेषकर सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, महेंद्रगढ़ के रात्रि तापमान हिमाचल प्रदेश के शिमला, धर्मशाला, डलहौजी से भी कम दर्ज किया गया। बता दें कि लगातार सम्पूर्ण मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में रात्रि तापमान में जबरदस्त गिरावट दर्ज हो रही है। जिसने आमजन कड़ाके की ठंड ने ठिठुरने को मजबूर कर दिया है।

मौसम विशेषज्ञ डा. चंद्रमोहन ने बताया कि कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से लगातार उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर बर्फबारी हो रही है। जिससे प्रदेश के सभी 22 जिलों में रात्रि तापमान एकल संख्या में पहुंचे हुए हैं। जबकि 11 जिलों में रात्रि तापमान 5.0 डिग्री सेल्सियस से कम दर्ज किया जा रहा है। शुक्रवार को जिले में नारनौल व महेंद्रगढ़ का रात्रि तापमान लुढ़क कर क्रमशः 4.8 डिग्री सेल्सियस व 3.4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो इस सर्दी के सीजन का सबसे कम रात्रि तापमान दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि हरियाणा एनसीआर दिल्ली का सबसे कम रात्रि तापमान बालसमंद का 3.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि हरियाणा एनसीआर दिल्ली के 11 जिलों का रात्रि तापमान हिमाचल प्रदेश के शिमला, डलहौजी, धर्मशाला के रात्रि तापमान से कम रहा। वहीं राजस्थान से सट्टे हरियाणा के पश्चिमी जिलों विशेषकर सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी में भौगोलिक स्थिति की वजह से मौसम की चरम स्थितियां चाहें ठंड या गर्मी से आमजन को रूबरू होना पड़ता है।

दिन में तेज धूप खिलने से मिली राहत

हालांकि दिन में मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली के साथ जिला महेंद्रगढ़ में सूर्य की चमकदार धूप खिली रहने से दिन का तापमान सामान्य के आसपास बना रहा। प्रदेश में दिन का तापमान 20.0 डिग्री सेल्सियस से 25.0 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जा रहा है, लेकिन दिन के समय भी पिछले दो-तीन दिनों से ठंडी हवाएं चलने व आंशिक बादलवाही से दिन के तापमान में हल्की गिरावट दर्ज हुई है। शनिवार को एक बार फिर से तापमान में हल्का उछाल देखने को मिलेगा, क्योंकि शुक्रवार रात को एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से शनिवार को हरियाणा एनसीआर दिल्ली में सीमित स्थानों पर छिटपुट बूंदाबांदी की संभावना है। साथ ही साथ वातावरण में नमी की मात्रा बढ़ने से आने वाले दिनों में सुबह के समय कोहरा छाया रहने की संभावना बन रही है।

अनाज मंडी प्लाट मामला : 2015 में भी हुई थी करीब 85 दुकानों के प्लाटों की नीलामी

ऑनलाइन ही पता चलेंगे रेट, अभी 9 दुकानों के प्लाट की लगेगी बोली

उस समय भी कीमतों के विरोध में अदालत चले गए थे कुछ दुकानदार अभी विवाद में फंसी हैं 62 दुकानें, जल महल के पास अनाज मंडी में चल रही दुकानों की बोली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नांगल चौधरी रोड पर जल महल के समीप बनी नई अनाज, सब्जी एवं पशुचारा मंडी में दुकानों के प्लाटों की दो जनवरी को प्रातः 10 बजे ऑनलाइन खुली बोली लगाई जाएगी। इस बोली में भाग लेने के लिए बोलीदाता को वेब पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करके अपनी यूजर आईडी एवं पासवर्ड बनाना होगा। इसके पश्चात अपने लॉगइन से नेट बैंकिंग या डेबिट अथवा क्रेडिट कार्ड के लिए बोली के लिए 200 रुपये जमा करवाने होंगे। यह प्रक्रिया अपनाने उपरांत इच्छुक व्यक्ति ऑनलाइन खुली बोली में शामिल हो सकेगा।

मार्केट कमेटी की ओर से नांगल चौधरी रोड पर जल महल के समीप नई अनाज मंडी का निर्माण किया गया है। यह मंडी करीब 65 एकड़ में बनी हुई है तथा इसमें प्लाटों यानि दुकानों की बोली समय-समय पर लगाई जाती रही है। वर्तमान में भी इसके 20 गुणा 50 फुट के नौ प्लाटों की ऑनलाइन खुली बोली लगनी है। यह ऑनलाइन बोली दो जनवरी को प्रातः 10 बजे से सायं छह बजे तक ऑनलाइन जारी रहेगी। इच्छुक लोग ई-नीलामी हेतु विभागीय पोर्टल पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

ऐसे लोगों को बोली में शामिल होने के लिए 200 रुपये शुल्क भी देना होगा। इसके लिए पंजीकरण आरंभ हो चुके हैं। जिसकी प्रक्रिया ईएमडी राशि के भुगतान के समय से पहले की जानी अनिवार्य है। ई-नीलामी शुरू होने से 48 घंटे पहले तक ईएमडी राशि का भुगतान आरटीजीएस या नेफ्ट द्वारा किया जा सकता है। नीलामी शुरू होने के एक घंटे पहले तक ईएमडी राशि क भुगतान डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग से भी कर सकते हैं। एक से अधिक बोली प्लॉट खरीदने के लिए प्रत्येक प्लॉट खरीदने के लिए प्रत्येक प्लॉट के लिए अलग से ईएमडी राशि जमा करवानी होगी। असफल बोलीदाता की ईएमडी की राशि बिना ब्याज के बैंक खाते में वापिस कर दी जाएगी।

यह कहते हैं अधिकारी

मार्केट कमेटी के सचिव विजय सिंह ने बताया कि अनाज मंडी की नौ दुकानों के प्लाटों की नीलामी ई-नीलामी के जरिए ऑनलाइन होनी है। इच्छुक बोलीदाता नियमानुसार इसमें भाग ले सकते हैं। ऑनलाइन बोली दो जनवरी को प्रात: 10 बजे से सायं छह बजे तक चालू रहेगी।

सफल बोलीदाता को 48 घंटे में जमा करवानी होगी 10% राशि

इस ऑनलाइन बोली में यदि कोई बोलीदाता प्लॉट यानि दुकान लेने में सफल रहता है तो उसे 10 प्रतिशत राशि ई-नीलामी के 48 घंटे के अंदर जमा करवानी होगी। 15 प्रतिशत राशि इस आशय का पत्र जारी करने के 30 दिन के अंदर जमा करवानी होगी। जबकि शेष 75 नियमानुसार अदा करनी होगी।

ऑनलाइन ही मिलेंगे रेट

मंडी की दुकानों यानि प्लाटों के रेट फिलहाल ओपन नहीं किए गए हैं। जब ऑनलाइन बोली शुरू होगी, तब ही ऑनलाइन पर ही प्लाटों के रेट पता चल सकेंगे। इन रेटों के आधार पर ही इच्छुक बोलीदाता ऑनलाइन बोली में भाग ले सकेंगे।

पहले की दुकानों पर विवाद

इसी अनाज मंडी की करीब 85 दुकानों के प्लाटों की नीलामी वर्ष 2015 में भी की गई थी। तब दुकानों के रेट लगभग 40 लाख रुपये रखा गया था, लेकिन तब कई बोलीदाताओं ने इस रेट को बहुत ज्यादा बताते हुए फुल एंड फाइनल पेमेंट जमा नहीं करवाई और वह कोर्ट में चले गए। जिसका निपटारा इतने साल बीतने के बाद भी नहीं हो पाया है। करीब 62 दुकानें ऐसी हैं, जो इस विवाद में अटकी हुई हैं। इसी मंडी का हिस्सा बनी फल एवं सब्जी मंडी की दुकान गत वर्ष करीब तीन करोड़ रुपये में भी बिक चुकी है। जहां कुछ दुकानदार 40 लाख का मूलधन व ब्याज देने में असमर्थता जता रहे हैं, वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो एक दुकान के तीन करोड़ तक देने में समर्थ हैं।

सार्वजनिक शराब व जुए के अड्डे बने स्थानों की पहचान कर करें कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

- गांवों में ठिकरी पहरा लगाने व आम आदमी से सुझाव लेकर अपराध पर अंकुश लगाने के दिए निर्देश

पुलिस अधीक्षक नितिश अग्रवाल ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में शांति समिति व कम्युनिटी लायजन ग्रुप के सदस्यों के साथ बैठक की। उन्होंने बैठक में आए सीएलजी सदस्यों से पुलिस व आमजन के बीच सामंजस्य स्थापित करने तथा अपराधों को रोकने को लेकर सुझाव भी लिए और पुलिस की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिया। पीस कमेटी के सदस्यों ने रात्रि गश्त बढ़ाने, ठीकरी पहरा लगाने व ठीकरी पहरा को चेक करने की बात एसपी में समक्ष रखी। एसपी ने बताया कि थाना प्रबंधकों, चौकी इंचाजार्ें को प्रभावी रात्रि गश्त करने के निर्देश दिए गए है, गांव में ठीकरी पहरा लगवाने के भी निर्देश दिए गए हैं। शांति समिति के सदस्यों ने शाम के समय सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों, गांव में शराब पीने वालों व होटलों-ढाबों पर जुआ खेलने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात एसपी के समक्ष रखी गई। इस पर एसपी ने संबंधित को ऐसे स्थानों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि आरएसओ के साथ बैठक कर उसके सहयोग से वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाने का कार्य किया जाएगा। इस दौरान पीस कमेटी के सदस्यों ने पुलिस की ओर से नशे के खिलाफ चलाई हुई मुहिम की सराहना की और कहा कि वो भी इस मुहिम के तहत युवाओं को नशे से दूर रखने का प्रयास कर रहे हैं। इस दौरान उनके नशे के खिलाफ युवाओं को जागरूक करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की एसपी ने सराहना की। एसपी ने बैठक में आए सदस्यों से कहा कि नशा बेचने वालों की सूचना पुलिस को दें और जिले को नशा मुक्त बनाने में पुलिस का सहयोग करें।

महेंद्रगढ़। मुख्यातिथि एसडीएम हर्षित कुमार का स्वागत करते जोनल मैनेजर उपदेश सक्सेना।

अंतरराष्ट्रीय पोषक वर्ष-2023 मे एग्रोमैक्स बना आकर्षण का केंद्र, निजी व सरकारी स्टॉल लगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

- उत्पादों की विशेषताएं बताकर कृषि उपयोग में महत्व की दी गई जानकारी

कृषि विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय पोषक वर्ष-2023 एक दिवसीय जिला स्तरीय कृषि सम्मेलन सतनाली में बड़े पैमाने पर पर मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि एसडीएम हर्षित कुमार आईएएस तथा विशिष्ट अतिथि बीडीसी चेयरमैन सतनाली रहे। कृषि उपनिदेशक देवेंद्र कुमार, गुण नियंत्रण निरीक्षक डॉ. संजय कुमार, अनिल यादव पचवानिया, पूर्व विस्तार निदेशक डॉ. एचडी यादव सहित अनेक कृषि एक्सपर्ट व किसानों ने भाग लिया और सरकारी एवं निजी कंपनियों ने अपने स्टॉल भी लगाए। कृषि अधिकारी एवं कृषि विज्ञान केंद्र वैज्ञानिक एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों ने कृषि संबंधी उपयोगी एवं स्कीमों के बारे में जानकारी दी, जिससे किसानों को अधिक उत्पादन मिल सके। कंपनियों ने अपने स्टाल के माध्यम से अपने-अपने प्रोडेक्ट को दिखाया और किसानों को जागरूक भी किया, जिसमें एग्रोमैक्स के जोनल मैनेजर उपदेश सक्सेना, डिस्ट्रीब्यूटर विनोद अग्रवाल, गिरधर ट्रैक्टर प्रा.लि. हिम्मत सिंह, फील्ड सहायक नीतीश कुमार,ने अपने स्टाल पर किसानों को अपने प्रोडक्ट दिखाकर, उनकी विशेषताएं बताकर व कृषि संबंधी जानकारी देकर किसानों को जागरूक किया तथा बताया कि यह कंपनी उच्च गुणवत्ता के माइक्रो न्यूट्रीएंट्स व बायो फर्टिलाइजर, बायो पेस्टीसाइड, ग्रोथ प्रमोटर आदि बनातीं है, जिससे किसानों को अधिक लाभ प्राप्त होता है।

मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के आरोपितों से चेन की बरामद

महेंद्रगढ़। मामले में गवाही देने से रोकने के लिए मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में सीआईए टीम ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपित बबलू उर्फ बब्बू वासी खायरा और वासु उर्फ पोंटिंग वासी खायरा को गिरफ्तार कर पुलिस रिमांड पर लिया था। रिमांड के दौरान पुलिस द्वारा आरोपितों से सख्ती से पूछताछ की गई। पूछताछ में पुलिस ने आरोपितों से वारदात में प्रयोग की गई बाइक, डंडा, एक मोबाइल व चांदी की चेन बरामद की गई। आरोपितों पर पहले भी मामले दर्ज हैं। मोहित वासी मौहल्ला जवाहर नगर ने थाना शहर में शिकायत दर्ज कराई कि दो सितंबर को रात्रि के समय करीब नौ से 9.30 बजे के बीच वह अपने दोस्तों के साथ डीजे की दुकान पर बैठा था। तभी वहां अचानक दो बाइक और एक गाड़ी जो दूर खड़ी हुई थी, बाइक पर बैठे व्यक्तियों ने आते ही कहा कि गब्बर मिल गया और इतना कहते ही गाड़ी में बैठे चार-पांच लोगों ने लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी और फिर फोन पर बब्बू से बात करवाई तो बब्बू ने कहा कि जो 27 सितंबर को हमारे खिलाफ तुम्हारी गवाही है, अगर गवाही दी तो जान से मार देंगे। इसके बाद आरोपितों ने उसके गले चांदी की चेन तोड़ ली और हथियार निकालकर उसके ऊपर तानते हुए कहा कि ये पिस्टल तुम्हें मारने के लिए लाए हैं और फिर उसे वापिस नीचे गिराकर लाठी-डंडों व तार बंधी हुई रॉड से मारने लग गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

- गवाही देने पर जान से मारने की दी थी धमकी

महेंद्रगढ़। किसानों को ड्रोन का प्रशिक्षण करते कृषि आधिकारी। फोटो : हरिभूमि

विकसित भारत संकल्प यात्रा शुक्रवार को गांव डेरोली जाट व खातीवास में पहुंची

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगाढ

- सरपंच ममता व मुकेश कुमार ने ग्रामीणों को दिलवाई विकसित भारत की शपथ

विकसित भारत संकल्प यात्रा शुक्रवार को गांव डेरोली जाट व खातीवास में पहुंची। इस यात्रा में गांव डरौली जाट व खातीवास में एसईपीओ अशोक कुमार मौजूद थे। सरपंच ममता व गांव खातीवास सरपंच मुकेश कुमार ने विकसित भारत की शपथ दिलाई। स्कूल टॉपर बच्चे तन्नू, सिद्धार्थ, दक्ष, नचिता, वर्तिका, नमन, हेमलता को सम्मानित किया। इसी प्रकार गांव खातीवास में टॉपर बच्चे साहिल, अंशुल, दिशू, प्रिया, कार्तिक, हर्षित, सोनम शर्मा, साहिल, रवीना, गौतम, लक्की, साक्षी, वर्षा, मितांशी, प्रशांत व तरुण को सम्मानित किया। गांव खातीवास में शहीद प्रवीन कुमार के परिजनों को सरपंच ने शॉल पहनाकर सम्मानित किया तथा सबसे बुजुर्ग पुरुष जवाहरलाल एवं सबसे बुजुर्ग महिला शांति देवी को सम्मानित किया। कृषि विभाग की ओर से किसानों को ड्रोन का प्रशिक्षण कर दिखाया जा रहा है। गांव डेरोली जाट में किसानों को सरसों के एक एकड़ में छिड़काव करके दिखाया। कार्यक्रम में सूचना विभाग से मैनेजर रवि तंवर बसई, खाद एवं आपूर्ति विभाग से प्रवीन यादव बैरावास, डीईओ नितिन कुमार, ग्राम सचिव विकास कुमार व एचपीसीएल से जितेंद्र इत्यादि मौजूद रहे।

अधिवक्ताओं ने उपराष्ट्रपति की नकल करने के मामले में सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई की मांग

नारनौल। उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ की नकल करने के मामले में अधिवक्ताओं ने उपायुक्त के नाम ज्ञापन दिया। जिसमें उपराष्ट्रपति की नकल करने पर टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी व अन्य सांसदों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। इस मौके पर जिला बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान व अधिवक्ता परिषद के जिला अध्यक्ष मनीष वशिष्ठ, प्रमोद ताखर एडवोकेट, बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव प्रवीण शर्मा, कुलदीप भारद्वाज कोटिया, विजय कुमार, महेश दीक्षित, योगेंद्र सोनी एडवोकेट, सीताराम बोहरा, विक्रांत बड़ेसरा, मयंक, मनीष, दीपक सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित थे। अधिवक्ता परिषद के जिला अध्यक्ष मनीष वशिष्ठ एडवोकेट ने कहा कि उपराष्ट्रपति संसद परिसर में संवैधानिक पद पर हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी व कल्याण बनर्जी व अन्य सांसदों ने साशय अपमान किया है। जिससे अधिवक्ता भी आहत हैं। राहुल गांधी, कल्याण बनर्जी टीएमसी नेता ने मजाक बनाकर व उसका वीडियो बनाकर अपने सोशल मीडिया व ऑफिसियल पेज पर डालकर आहात किया है। यह घटना बर्दाश्त करने लायक नहीं है। अधिवक्ता प्रमोद ताखर ने कहा कि जिस प्रकार से राहुल गांधी व टीएमसी संसद कल्याण बनर्जी के नेतृत्व में उपराष्ट्रपति का अपमान किया गया व अपमान एक देश का अपमान था। यह सम्पूर्ण जाट जाति, सम्पूर्ण किसान वर्ग, देश, देश की गरिमा व देश के मान सम्मान का अपमान है।

तहसीलदार व पटवारी सहित 7 के खिलाफ धोखाधड़ी का केस

भीलवाड़ा में फर्जी कागज तैयार कर हड़पी जमीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली थाना अंतर्गत आने वाले गांव भीलवाड़ा में एक जमीन के फर्जी कागजात तैयार कर एक व्यक्ति की जमीन हड़पने के मामले में अदालत ने अटेली के तत्कालीन तहसीलदार तथा गांव भीलवाड़ा के हल्का पटवारी पर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच करने की आदेश दिए हैं। इसके बाद पुलिस ने तत्कालीन तहसीलदार वह हल्का पटवारी समेत 7 लोगों पर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव भीलवाड़ा के मुकेश कुमार व सांवलमल ने अदालत में एक मामला दायर कर उनके गांव के यादराम, सुबेसिंह, गुलाब देवी, अजीत कुमार और धनराज के अलावा गांव भीलवाड़ा के हल्का पटवारी तथा मूल रूप से रेवाड़ी जिले के गांव लाला रोहड़ाई निवासी सुरेंद्र व तत्कालीन तहसीलदार मनीष पर उसकी जमीन के फर्जी कागजात तैयार करने का आपराधिक षड्यंत्र रचा। इन्होंने गांव की खसरा नंबर 78 जो सबसे कीमती जगह है, उसको हड़प करने के लिए एक योजना बनाई। उस आपराधिक योजना में उन्होंने हल्का पटवारी व तहसीलदार को भी शामिल कर लिया।

जबकि यह भूमि के मालिक नहीं थे। वह दो दोषियों के नाम इंतकाल नहीं हुआ था। वहीं इसमें हल्का पटवारी व तहसीलदार ने इनके साथ तालमेल करते हुए एक खेवट ही अलग बना दी, जबकि सबकी जमाबंदी अपने हिस्से के मुताबिक है। जिस पर शिकायतकर्ता मलिक काबिज है। इस प्रकार इंतकाल नंबर 931 के आधार पर ही अगली जमाबंदी खेवट नंबर 116 खतौनी नंबर 125 बन गई। इस प्रकार सभी दोषियों ने मिलकर आपस में साजबाज होकर उसके हिस्से की जमीन को हड़पने की मंशा से फर्जी कार्य किया। यह सब फर्जी दस्तावेज करके किया गया, जिसमें सभी आरोपित शामिल रहे। इस पर अदालत ने थाना अटेली को सभी आरोपितों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 468, 471 व 120-बी के तहत मामला दर्ज कर इसकी जांच करने के आदेश दिए हैं।

एक स्वस्थ घोड़ा 44 किमी प्रति घंटे की चाल से दौड़ सकता है।

यंगभूमि

बिल्लियों के हर कान में 32 मांसपेशियां पाई जाती है।

भविष्य में इन क्षेत्रों में होंगे सबसे ज्यादा नौकरी के अवसर

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

पूरी दुनिया में हर दिन नई-नई टेक्नोलॉजी आ रही है। सभी देश आए दिन नई-नई तकनीकी आविष्कार कर रहे हैं। धीरे-धीरे जमाना बदल रहा है। विज्ञान के बल पर हर दिन नए-नए आविष्कार हो रहे हैं। आज का दौर डिजिटाइजेशन का दौर है। हर कोई इंटरनेट से कनेक्ट है। ऐसे में लोग अपने लिए नौकरी भी इसी फील्ड में ढूंढ रहे हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि सबसे ज्यादा ग्रोथ इसी क्षेत्र में है. क्लाउड कंप्यूटिंग, सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन जैसी नौकरी आज से 5 साल पहले नहीं थी पर वर्तमान में सबसे ज्यादा मांग इन्हीं नौकरियों की है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आने के बाद काम और भी आसान हो गया है।

डिग्री नहीं प्रतिभा चाहिए

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस धीरे-धीरे सभी वर्तमान की जॉब्स को खत्म कर देगा। हम लोगों को भी समय के साथ चलना होगा और आने वाले समय में जिसकी डिमांड होगी उसी क्षेत्र में हमें जाना होगा। आने वाले 5 सालों में क्या-क्या बदलने जा रहा है। किन-किन क्षेत्रों में सबसे ज्यादा जॉब के स्कोप होंगे । अब हम देख पा रहे है इस प्रकार की नौकरी सामने आ रही है जिसमें कोई स्पेशल डिग्री नहीं चाहिए होती। बस आपके अंदर प्रतिभा होनी चाहिए। अगर आप अपनी प्रतिभा का पूर्णता उपयोग करेंगे तो आप खूब पैसा कमा सकते हैं। इसका अर्थ है कि आने वाले समय में आपकी डिग्री को नहीं बल्कि आपकी स्किल को महत्व दिया जाएगा। यह देखा जाएगा कि आप किसी काम को करने में कितने सक्षम है और उसे कितने बेहतर तरीके से कर सकते हैं।

डेटा साइंटिस्ट

जमाना काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है। बिजनेस करने के मानक भी बदल रहे हैं। किसी भी बिजनेस की ग्रोथ के लिए उसे बिजनेस के बारे में ग्राहक को पूरी जानकारी होना अनिवार्य है। जब तक कस्टमर को ही बिजनेस के बारे में नहीं पता होगा वह किस प्रकार आपका बिजनेस को समझ पाएगा। ऐसे में सबसे पहले आपको ऐसा तरीका अपनाना होगा जिसके जरिए आप अपने ग्राहकों तक अपने व्यापार के बारे में पूरी जानकारी आसानी से पहुंचा पाए। यानी कि आपका ग्राहकों को आपके व्यापार के बारे में सब कुछ पता होना चाहिए। हम जितना ज्यादा इंटरनेट चला रहे हैं उतनी ज्यादा जानकारी हम बड़ी से बड़ी कंपनियों को दे रहे है। इस कारण डाटा साइंटिस्ट और एनालिस्ट की डिमांड तेजी से बढ़ रही है. जो ग्राहक की जानकारी को समझ कर सही तरीके से प्रोडक्ट उसको प्रदर्शित कर पाये। किसी भी कंपनी को अगर आज के समय में टॉप पर आना है तो उसके लिए ग्राहक की जानकारी और उसे डाटा को सही तरीके से एनालाइज करना बहुत जरूरी है।

इन क्षेत्रों में भी भारी डिमांड

हेल्थकेयर

हम जितनी गति से आगे बढ़ रहे हैं उतनी ही तेजी से अपने शरीर को खराब कर रहे हैं। आज के समय में हर किसी को कोई ना कोई बीमारी है। कोई भी पूर्ण तरह स्वस्थ नहीं है। यही वजह है कि आज के समय में छोटी से छोटी बीमारी बहुत बड़ी बन जाती है। ऐसे में हेल्थ केयर फील्ड में अलग-अलग प्रकार की नौकरी की डिमांड आ रही है। बीमारिया ज्यादा लोगों को अपना शिकार बना रही है और उसकी अपेक्षा डॉक्टरी सुविधाएं कम है। इसके साथ ही हर आने वाले दिन नए-नए दवाई और नई-नई बीमारी की खोज हो रही है. आने वाले 5 साल में डॉक्टर की डिमांड बहुत तेजी से बढ़ाने वाली है और यह डिमांड हमेशा रहने वाली है क्योंकि इंसान जितनी तेजी से तरक्की करेगा वह उतनी ही ज्यादा बीमारियों से घिरेगा। ऐसे में इस फील्ड में भी जॉब का काफ़ी स्कोप है।

फाइनेंस एडवाइजर

जैसे-जैसे इंसान तरक्की कर रहा है उसके पास पैसा भी उपलब्ध हो रहा है। अगर आपके पास पैसा है तो आपकी खरीदने की क्षमता भी बढ़ रही है। आजकल लोग पहले के मुकाबले काफी खरीदारी कर रहे हैं। हर बाजार में प्रोडक्ट की खपत काफी तेजी से हो रही है। इस कारण से लोगों को अपना पैसा कैसे खर्च करना चाहिए कैसे बचना चाहिए इसकी समझ होना बहुत अनिवार्य है। वर्तमान समय में फाइनेंस एडवाइजर के तौर पर काम करके आप अच्छा खासा पैसा कमा सकते हैं। इस क्षेत्र में आप लोगों को कंसल्टेंसी दे सकते हैं कि उन्हें अपना पैसा कहां जमा करना चाहिए और किस तरह से खर्च करना चाहिए। इस बढ़ते महंगाई के दौर में हम अपना पैसा सिर्फ सेविंग अकाउंट में रखकर नहीं बढ़ा सकते। ऐसे में आपको शेयर बाजार म्युचुअल फंड और अलग-अलग क्षेत्र के बारे में लोगों को बताना चाहिए। काफी लोग इस क्षेत्र में भी तरक्की कर रहे हैं क्योंकि उन्हें दिख रहा है कि इस फील्ड में जॉब का अच्छा स्कोप है।

साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट

आजकल ऑनलाइन फ्रॉड के मामले काफी बढ़ गए हैं। साइबर क्राइम की वजह से लोगों को काफी लूटा जा रहा है। अगर आप साइबर सिक्योरिटी में एक्सपर्ट बन जाते हैं तो आपकी डिमांड हर कंपनी और हर तरह के क्षेत्र में होगी। साइबर सिक्योरिटी में एक्सपर्ट होने के बाद आप हैकिंग को रोक सकते हैं और अलग-अलग कंपनी में साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट के रूप में काम करके मोटा पैसा कमा सकते हैं।

देश की सुरक्षा करने के लिए विशाल सेना की आवश्यकता

इंडियन नेवी में बनाएं करियर, अच्छी सैलरी के साथ-साथ मिलेगा देश सेवा का भी मौका

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

भारत देश अनेक सारे देशों की सीमाओं से सटा हुआ एक विशाल देश है। भारत की सीमाएं तीन से चार दुश्मन देशों से मिलती है। ऐसी स्थिति में देश की सुरक्षा करने के लिए एक विशाल सेना की आवश्यकता होती है। विशाल सेना के अंतर्गत नेवी भी शामिल है। बता देते हैं कि भारत के दक्षिण दिशा में विशालकाय समुद्र है। जहां से देश की सुरक्षा करना बहुत बड़ी चुनौती है और बहुत जरूरी भी है। ऐसी स्थिति में भारतीय नेवी का गठन किया गया है। यह काफी ताकतवर भारतीय सेना है, जो समुद्री मार्ग से आने वाले दुश्मनों का सामना करती है और देश को हमेशा सुरक्षित बनाए रखती है। इंडियन नेवी को हिंदी में नौसेना कहते हैं। यह फौज सामान्य फौज की तुलना में काफी ताकतवर होती है। इनके पास विशालकाय पानी वाले जहाज और पानी में चलने वाले हथियार होते हैं। इसके अलावा इन सैनिकों को पानी में युद्ध करने की पूरी ट्रेनिंग दी जाती है, ताकि कभी भी युद्ध होने पर पानी में भी भारतीय सेना मुकाबला कर सकें। समुद्र में विभिन्न प्रकार के तत्व और तेल पाए जाते हैं। इसीलिए भारतीय सीमा के अंतर्गत आने वाले समुद्र की रक्षा भी इंडियन नेवी द्वारा ही की जाती है। इसके अलावा समुद्री मार्ग से होने वाले राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार भी नेवी की नजर से होकर गुजरता है। इंडियन नेवी दुनिया के सबसे ताकतवर नेवी में से एक है। समय-समय पर आपने टेलीविजन पर देखा होगा, कि किस तरह से इंडियन नेवी द्वारा युद्धाभ्यास किया जाता है और सरकार द्वारा भी विभिन्न प्रकार के हथियार इंडियन नेवी को उपलब्ध कराए जाते हैं। हाल ही में विक्रांत नाम का सबसे बड़ा और विशालकाय जहाज इंडियन नेवी को मिला है, जिसे समुद्र में उतार कर युद्ध अभ्यास भी किया जा चुका है। इस तरह के युद्धाभ्यास के बाद दूसरे देशों की सेना भी भारतीय सेना से टकराने के लिए एक हजार बार सोचती है। भारतीय नेवी अफसरों को काफी सम्मान मिलता है। इसीलिए आज के समय के अनेक सारे युवा इंडियन नेवी के तहत जॉब करना चाहते हैं। लेकिन उन्हें इस विषय में कोई जानकारी नहीं है।

भारतीय नौसेना काफी ताकतवर

समुद्री इलाके में तैनाती

समुद्री इलाके में देश की सुरक्षा के लिए नौसेना को तैनात किया जाता है। भारतीय नेवी के पास हर तरह के हथियार और उपकरण है, जिसकी मदद से वह देश की सुरक्षा के साथ किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम है। इंडियन नेवी का सबसे बड़ा अधिकारी नौसेना अध्यक्ष होता है तथा इस सेना की सर्वोच्च कमान भारत के राष्ट्रपति के पास होती हैं। पश्चिमी देशों में प्राचीन काल से ही समुद्री यात्राएं की जाती है। लेकिन भारत में पहले ऐसा नहीं होता था। जब भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने कदम रखें, तो वे समुद्री मार्ग से ही आए थे और उसके बाद समुद्र मार्ग से ही भारत के साथ पश्चिमी देशों में व्यापार शुरू कर लिया और समुद्र के रास्ते से ही सभी तरह के व्यापार किए जाते थे। समुद्र के रास्ते विभिन्न देशों की यात्राएं होती थी। इसीलिए महाराष्ट्र के छत्रपति शिवाजी महाराज ने सन 1674 में अपने शासनकाल में समुद्री सेवा की स्थापना की थी, उसे ही भारतीय इतिहास में इंडियन नेवी स्थापना कहा जाता है।

लंबा इतिहास

भारतीय नौसेना का इतिहास काफी पुराना है। भले ही आज के समय में इंडियन नेवी को अंग्रेजों की देन कहते हैं या अंग्रेजों को ही इंडियन नेवी का श्रेय देते हैं। लेकिन यह पूरी तरह से सही नहीं है क्योंकि छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपने शासनकाल में समुद्री सेना का विस्तार कर दिया था, जिसके बाद आए अंग्रेजों ने अपने हिसाब से उसे विकसित किया और बड़े पैमाने पर फैलाया। यही वजह है कि आज के समय में हमें अक्सर लोगों द्वारा यह सुनने को मिलता है की अंग्रेजी शासन काल के दौरान ही आधुनिक भारत में इंडियन नेवी की स्थापना की गई थी, बल्कि स्थापना की बजाय विकास किया गया था। हिंदी में इंडियन नेवी को भारतीय नौसेना नाम से भी जाना जाता है।

ऐसे बनाएं करियर

- अब तक आप भारतीय नौसेना के बारे में जान चुके हैं और अब भारतीय नौसेना में जाने का मन बना चुके हैं। तो आपको इंडियन नेवी में जाने से पहले विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए
- आपको यह पता होना चाहिए की कि आप भारतीय नेवी में जाने लायक है या नहीं क्योंकि यह एक ताकतवर फौज है।
- यहां पर विभिन्न प्रकार की योगिता निर्धारित की गई है। इन योग्यता के आधार पर ही चयन किया जाता है।
- अगर आप नौसेना में करियर बनाना चाहते हैं। तो पहले इसका पूरा गणित समझ लीजिए।

शैक्षणिक योग्यता

- भारतीय नौसेना में यूपीएससी, एनडीए के द्धारा ली जाने वाली परीक्षा के आधार पर ही चयन किया जाता है।
- उम्मीदवार का मान्यता प्राप्त बोर्ड से हाई स्कूल पास आउट होना चाहिए।
- इंटरमीडिएट परीक्षा में अच्छे अंकों के साथ पास करने वाले उम्मीदवार भी इंडियन नेवी के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- अगर आपने कोई अच्छा कंप्यूटर कोर्स किया है, तो आपको इंडियन नेवी में चयनित होने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी।
- अगर आपको टेक्नोलॉजी का ज्ञान है और उसमें रुचि है तो इंडियन नेवी में आपका चयन आसान हो सकता है।
- इंडियन नेवी में आवेदन करने वालों का भारतीय नागरिक होना आवश्यक है।
- इंडियन नेवी में आवेदन करने वालों का शारीरिक और मानसिक रूप से पूर्णता स्वस्थ होना चाहिए।
- भारतीय नौसेना में भर्ती के लिए न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष निर्धारित की गई है।
- इंडियन नेवी में अप्लाई करने वाले कैंडिडेट्स के लिए अधिकतम आयु सीमा 25 वर्ष तय की गई है।
- आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का मान्यता प्राप्त 10वीं अथवा 12वीं कक्षा पास होना जरूरी है।
- उम्मीदवार को दसवीं अथवा 12वीं कक्षा में कम से कम 50% अंक प्राप्त करने आवश्यक है।
- आवेदन करने वाले अभ्यर्थी को हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं का अच्छा ज्ञान होना चाहिए।
- आवेदन करने वाले पुरुष अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम शरीर की लंबाई 157 सेंटीमीटर तय की गई है।
- महिला आवेदकों के लिए शरीर की लंबाई 152 सेंटीमीटर होना जरूरी है।
- पुरुष अभ्यर्थियों के छाती का विस्तारित आकार 5 सेमी होना जरूरी है।
- महिलाओं के लिए इस तरह के छाती के विस्तारित आकार की कोई योग्यता निर्धारित नहीं की गई है।
- इंडियन नेवी के आवेदकों का शारीरिक परीक्षण किया जाता है उसमें पास होना जरूरी है।
- उम्मीदवार अंधा नहीं होना चाहिए, दोनों आंखों से बराबर देखने वाला होना चाहिए।
- उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक रूप से पूर्णतया स्वस्थ होना जरूरी है।

इन प्रोसेस से गुजरना होगा

इंडियन नेवी में भर्ती के लिए तीन प्रक्रिया निर्धारित की गई है। इन तीन प्रक्रियाओं के आधार पर जॉइनिंग की जाती है। वह इस प्रकार है।

लिखित परीक्षा फिटनेस टेस्ट मेडिकल चेकअप

इंडियन नेवी में भर्ती होने के लिए सबसे पहले परीक्षा देनी होता है जिसके लिए लिखित परीक्षा आयोजित करवाई जाती है। इस परीक्षा में पास होना जरूरी है। 12वीं कक्षा पास करने के बाद भी आप नेवी परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस परीक्षा के लिए भी एग्जाम पैटर्न और सिलेबस निर्धारित किया जाता है। अगर आप उसे अच्छी तरह से समझ लेते हैं, तो यह परीक्षा पास करना आपके लिए काफी आसान हो जाता है। बता देते हैं कि इंडियन नेवी में लिखित परीक्षा के तहत फिजिक्स, केमिस्ट्री, सामान्य ज्ञान, मैथ इंग्लिश, रिजनिंग इत्यादि विषय को सिलेबस के तहत निर्धारित किया गया है। इस परीक्षा में 100 अंकों के 100 प्रश्न पूछे जाते हैं तथा यह परीक्षा केवल 60 मिनट में देनी होती है, जो उम्मीदवार इस परीक्षा को पास कर लेते हैं उन्हें फिटनेस टेस्ट के लिए भेज दिया जाता है लेकिन जो फेल हो जाते हैं। उन्हें वापस अपने घर लौटना होता है जो उम्मीदवार दूसरे चरण के फिटनेस परीक्षा भी पास कर लेता है उन्हें तीसरे चरण की मेडिकल परीक्षा के लिए भेज दिया जाता है। यहां पर उम्मीदवार के शरीर का मेडिकल टेस्ट किया जाता है जिसमें यह देखा जाता है कि उम्मीदवार पूरी तरह से मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ है या नहीं। और शरीर के सभी अंग सही ढंग से काम करते हैं या नहीं। इस टेस्ट में पास होने वाले उम्मीदवारों को ट्रेनिंग के लिए भेज दिया जाता है। वे इस परीक्षा में पास हो जाते हैं और ट्रेनिंग के बाद उन्हें जॉइनिंग मिल जाती है।

परीक्षा में सफलता पाने के लिए ठोस योजना और उचित प्रबंधन जरूरी

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

परीक्षा की तैयारी में सफलता प्राप्त करने के लिए कई महत्वपूर्ण पहलुओं को ध्यान में रखना आवश्यक है। सबसे महत्वपूर्ण है एक ठोस योजना बनाना जो समय का उचित प्रबंधन करे। छात्रों को अपने समय को विभिन्न विषयों में संरचित रूप से वितरित करना चाहिए ताकि सभी विषयों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। नियमित रूप से स्वतंत्र अध्ययन करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यार्थिनी न केवल पाठ्यक्रम को समझने में सक्षम होती हैं बल्कि उन्हें स्वतंत्र रूप से सोचने और समस्याओं का समाधान करने की क्षमता भी विकसित होती है। स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखना भी अच्छा होता है। योग, प्राणायाम, और सही आहार के माध्यम से छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है, जिससे वे परीक्षा के समय तनाव मुक्त रह सकते हैं।

आत्म निरीक्षण और सुधार की क्षमता बनाना जरूरी

अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए, परीक्षा की तैयारी में आत्म-निरीक्षण और सुधार करने की क्षमता को बनाए रखना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आत्म-मूल्यांकन के माध्यम से छात्र स्वयं को और अधिक सुधारते हैं और अपनी कमजोरियों पर काम करने का समर्थन करते हैं। छात्रों के लिए अध्ययन में ध्यान केंद्रित करना एक कठिन चुनौती हो सकती है, लेकिन इसका महत्वपूर्ण होना यहाँ तक है कि एक सशक्त शिक्षा प्राप्त करने के लिए यह आवश्यक है। इस प्रक्रिया में कई कारकों का ध्यान रखना आवश्यक है जो छात्रों को अध्ययन में ध्यान केंद्रित करने में मदद कर सकते हैं। "एक स्वस्थ और व्यावसायिक धारिता बनाए रखना। अच्छी नींद, सही आहार, और योग्यता नुस्खों का पालन करना छात्रों को मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करता है, जिससे उनका ध्यान बढ़ता है। समय का सही तरीके से प्रबंधन करना भी आवश्यक है। एक ठोस अध्ययन योजना बनाना, विषयों को समय सीमा के अनुसार विभाजित करना और अध्ययन के लिए नियमित अवधि निर्धारित करना छात्रों को अध्ययन में स्थिरता बनाए रखने में मदद कर सकता है। मनोबल को बनाए रखना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सकारात्मक सोच और स्वास्थ्यपूर्ण मनोबल वाले छात्र अध्ययन में अधिक लगाव दिखा सकते हैं और सामने आने वाली मुश्किलों का सामना करने में सफल हो सकते हैं। सहायक साधनों का उपयोग करना भी महत्वपूर्ण है। तकनीकी साधनों का उपयोग करके, छात्रों को सीधे और संगठित तरीके से अध्ययन करने में मदद हो सकती है, जिससे उनकी दृष्टि और ध्यान स्थिर रह सकते हैं। छात्रों को अध्ययन में ध्यान केंद्रित करने के लिए सकारात्मक और योग्यता नुस्खों का पालन करना, समय प्रबंधन, सही मनोबल बनाए रखना और सहायक साधनों का उपयोग करना महत्वपूर्ण है। इन उपायों का अनुसरण करने से छात्र अपने लक्ष्यों की प्राप्ति में सफल हो सकते हैं और अध्ययन को एक सकारात्मक और उत्साहयुक्त अनुभव बना सकते हैं।

दबाव हटाने के लिए ये टिप्स अपनाएं

परीक्षा का समय आते ही छात्रों के चेहरे पर एक अजीब सा दबाव छा जाता है, लेकिन कुछ उपायों के माध्यम से वे इसे सही तरीके से संभाल सकते हैं।

सही योजना तैयार करें: परीक्षा की तैयारी के लिए एक सही योजना तैयार करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह योजना उनकी पढ़ाई को व्यवस्थित रूप से करने में मदद करेगी और उन्हें आत्म-नियंत्रण प्रदान करेगी।

अधिक चिंता ना करें: चिंता करना केवल समस्याओं को बढ़ाता है। छात्रों को यह याद रखना चाहिए कि वे जो कुछ भी कर सकते हैं, उन्हें यह विश्वास करना चाहिए।

स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं: नींद, खानपान, और व्यायाम का सही समर्थन छात्रों को परीक्षा के दौरान स्थिति को संतुलित रखने में मदद करता है।

सकारात्मक सोच बनाएं: नकारात्मक सोच से बचने के लिए छात्रों को अपने आत्म-समर्पण को मजबूत करने और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए।

आत्म-समर्थन: अगर कोई छात्र परीक्षा दबाव का सामना कर रहा है, तो उसे अपने मित्रों, परिवार से या शिक्षकों से सहायता मांगने का साहस करना चाहिए।

इन सारे तरीकों का अनुसरण करके छात्र परीक्षा के दबाव को सही तरीके से निभा सकते हैं और एक सकारात्मक अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षक और माता-पिता छात्रों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और जब ये दोनों मिलकर छात्रों को स्थायी तनाव से बाहर निकालने में सहायक होते हैं, तो यह उनके शिक्षा के अनुभव को सकारात्मक बना देता है।

सामान्य ज्ञान

1. पृथ्वी का एकमात्र उपग्रह है -
(ए) डिमोस
(बी) चन्द्रमा
(सी) टाइटन
(डी) लापेट्स

2. शांत समुद्र व तूफानों का महासागर कहाँ स्थित है ?
(ए) चंद्रमा
(बी) वरुण
(सी) बृहस्पति
(डी) शनि

3. सी ऑफ़ ट्रंक्विलिटी' कहाँ पर है?
(ए) पृथ्वी
(बी) सूर्य
(सी) जूपिटर
(डी) चन्द्रमा

4. चन्द्रमा पृथ्वी का एक चक्कर कितने दिनों में लगाता है ?
(ए) लगभग 28.1 दिन
(बी) लगभग 30.2 दिन
(सी) लगभग 27.3 दिन
(डी) लगभग 28.3 दिन

5. चन्द्रमा से पृथ्वी तक प्रकाश के पहुंचने में लगने वाला समय है -
(ए) एक सेकंड
(बी) एक सेकंड से कम
(सी) दो सेकंड से अधिक
(डी) दो सेकंड से कम

6. निम्नलिखित में से किस आकाशीय पिंड को 'पृथ्वी पुत्र' कहा जाता है ?
(ए) बुध
(बी) शुक्र
(सी) चन्द्रमा
(डी) मंगल

7. बृहस्पति का द्रव्यमान है, लगभग -
(ए) सूर्य के द्रव्यमान का 10वां भाग
(बी) सूर्य के द्रव्यमान का 1000वां भाग
(सी) सूर्य के द्रव्यमान का 100वां भाग
(डी) सूर्य के द्रव्यमान का आधा

8. आकाश का सबसे चमकदार तारा है -
(ए) प्रोक्सिमा सेंचुरी
(बी) बर्नार्ड
(सी)नेबुला
(डी)सिरियस

उत्तर 1.(बी) 2.(ए) 3.(डी) 4.(सी) 5.(डी) 6.(सी) 7.(बी) 8.(डी)

खबर संक्षेप

मोहल्ला खटीकान में बैठक का आयोजन

महेंद्रगढ़। पावन धाम अयोध्या में श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा पर 22 जनवरी को घरों व प्रतिष्ठानों में दीप जगाकर दीपावली मनाने का निमंत्रण देने के लिए शहर के वार्ड-13 मोहल्ला खटीकान बगीची में बैठक दयाशंकर तिवाड़ी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में एकलव्य बस्ती में स्थित दुर्लभनाथ मंदिर, बगीची, संत रविदास मंदिर सहित मौजूद रहे।

18 माताओं ने किया सामूहिक कुआं पूजन

नारनौल। जिला स्तरीय गीता जयंती समारोह में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आयोजित 18 माताओं ने सामूहिक कुआं पूजन कर बेटी बचाओ का सार्थक संदेश दिया। प्रदर्शनी के सामने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विषय पर बहुत ही सुंदर रंगोली बनाई गई। इस रंगोली के साथ ही मेरी लाडो मेरी शान सेल्फी प्वाइंट स्थापित किया गया।

जनवरी में मुख्यमंत्री अंत्योदय उत्थान मेले

नारनौल। मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेला अगले माह जनवरी में फिर से लगेंगे। प्रशासन सभी प्रकार की तैयारी पूरी कर लें। इससे पहले पिछले मेलों के दौरान आए आवेदनों को जल्द से जल्द निपटाया जाए। प्रधान सचिव ने शुक्रवार को वीसी में अधिकारियों को इसके लिए पुख्ता प्रबंध करने के निर्देश दिए।

गुरु गोविंद स्कूल में वीर बाल दिवस पर कार्यक्रम

नारनौल। वीर बाल दिवस पर दक्षिणी हरियाणा सांस्कृतिक मंच द्वारा सांस्कृतिक काव्य उत्सव 25 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए मंच के अध्यक्ष एवं हरियाणवी फिल्म झणकदार कंगना के निर्माता-निर्देशक मास्टर संतलाल यादव ने बताया कि इस उत्सव पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव मुख्य अतिथि होंगे।

25 को हर घर किया जाए तुलसी पूजनः महेश

कनीना। क्षेत्र में 25 दिसंबर को तुलसी पूजन दिवस मनाया जाएगा। इस बारे में हिन्दू जागरण मंच के जिला संयोजक महेश बोहरा ने बताया कि भारत संतों का देश है। इसलिए जिलेभर में 25 दिसंबर को तुलसी दिवस के रूप में मनाया जाएगा। निजी स्कूलों में भी 25 दिसंबर को क्रिसमस की जगह तुलसी दिवस मनाया जाने लगा है।

बीआर ज्ञानदीप में गणित दिवस पर प्रश्नोत्तरी स्पर्धा

महेंद्रगढ़। बीआर ज्ञानदीप सुरजनवास में राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। प्राचार्य रामवीर ने बताया कि जूनियर विंग और सीनियर विंग के छात्रों को तीन समूहों में बांटा गया। प्रथम समूह में कक्षा तीसरी से पांचवी, द्वितीय समूह में कक्षा छठी से आठवीं और तृतीय समूह में कक्षा नौवीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

पीआरएस में गणित प्रश्नोत्तरी आयोजित

सतनाली मंडी। पीआरएस स्कूल में प्रसिद्ध गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिवस अवसर पर अंतर सदनीय गणित प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। प्राचार्य संदीप शर्मा ने बताया कि भास्कर हाउस की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में एपीजे हाउस की लवेश, तनवी, महक की टीम ने प्रथम, भास्कर हाउस की प्रिया, रितिक व स्वीटी के द्वितीय रही।

धूमधाम से मनाया राष्ट्रीय गणित दिवस

महेंद्रगढ़। गैलेक्सी स्कूल बवानिया में प्राचार्य कृष्ण यादव की देखरेख में श्रीनिवास रामानुजन के जन्म दिवस पर गणित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें कक्षा छठी से 12वीं तक के बच्चों ने भाग लिया। संजय शास्त्री ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए छात्रों को चार टीमों में बांटा गया। गत सिंह सदन के छात्र प्रथम व कल्पना चावला सदन के छात्र द्वितीय रहे।

अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव संवाद

नारनौल। अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का आयोजन 21 व 22 दिसंबर को कुरूक्षेत्र में किया गया। जिसमें पूरे हरियाणा के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियागिताओं में भाग लिया। इस प्रतियोगिता में पूरे हरियाणा से 70 टीमें थी। इस प्रतियोगिता के आयोजन का उद्देश्य देश व प्रदेश के विद्यार्थियों को गीता के ज्ञान के बारे में अवगत करना है। इस प्रतियोगिता में संवाद, श्लोकोच्चारण, निबंध, पेंटिंग व प्रश्नोत्तरी प्रतियागिताओं का आयोजन किया गया। इसमें सबसे अधिक आकर्षण का केन्द्र कृष्ण व अर्जुन संवाद प्रतियोगिता रही। जिसमें कक्षा छठी से आठवीं कनिष्ठ वर्ग में कृष्ण का अभिनय जानवी व अर्जुन का अभिनय पारूल ने किया।

अटेली के विधायक ने किया गीता जयंती महोत्सव में प्रदर्शनी का शुभारंभ

गीता युद्ध के मैदान में रचा गया दुनिया इकलौता ग्रंथ

जिला स्तरीय अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव- 2023 का शुभारंभ, सेमिनार में विधायक डॉ. अभय सिंह यादव मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। प्रदर्शनी का अवलोकन करती उपायुक्त मोनिका गुप्ता व प्रदर्शनी का अवलोकन करते अटेली के विधायक सीताराम यादव। फोटो: हरिभूमि

नारनौल। सेमिनार में संबोधित करते विधायक डा. अभय सिंह यादव।

नारनौल। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

हवन यज्ञ, गीता पूजन व गीता आरती के साथ आईटीआई मैदान में दो दिन तक चलने वाले अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2023 के जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुक्रवार को विधिवत रूप से शुभारंभ हुआ। सुबह अटेली के विधायक सीताराम यादव ने फीता काटकर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इसके बाद दोपहर को नांगल चौधरी के विधायक डा. अभय सिंह यादव ने गीता पर आयोजित सेमिनार में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे। इस अवसर पर उपायुक्त मोनिका गुप्ता के मार्गदर्शन में 18 माताओं का कुआं पूजन करके बेटी बचाने का संदेश दिया। सेमिनार में बोलते हुए नांगल चौधरी के विधायक डा. अभय सिंह यादव ने कहा कि गीता युद्ध के मैदान में रचा गया दुनिया का एकमात्र ग्रंथ है। यहीं ग्रंथ दुनिया को सबसे ज्यादा शांति का पाठ भी पढ़ाता है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार का यह बहुत ही अच्छा प्रयास है। जिसके माध्यम से घर-घर तक गीता का ज्ञान पहुंच रहा है। हमारे लिए यह बहुत ही गर्व की बात है कि गीता महोत्सव अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाता है। पुलिस विभाग की तरफ से साइबर क्राइम के बारे में लोगों को जागरूक किया। पैनल एडवोकेट ने नागरिकों को मुफ्त कानूनी सलाह व प्राधिकरण की ओर से दी जा रही सेवाओं की जानकारी दी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने ड्रोन के जरिए नैनो यूरिया छिड़काव के बारे में जानकारी दी। बागवानी विभाग ने सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा फल व सब्जियों का प्रदर्शन भी किया। जिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की ओर से विभिन्न औजारों की प्रदर्शनी लगाई। शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों के लिए काउंसलिंग डेस्क स्थापित किया।

पंजाब नेशनल बैंक की तरफ से विभिन्न योजनाओं के तहत मिलने वाले ऋण की जानकारी दी गई। अक्षय ऊर्जा विभाग की तरफ से सोलर पैनल का प्रदर्शन किया गया। इसके अलावा हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की ओर से भी प्रदर्शनी में हिस्सा लिया गया। इसके अलावा कई स्वयं सहायता समूह तथा हस्त कलाकारों ने प्रदर्शनी में हिस्सा लिया। वहीं कार्यक्रम में रोटरी क्लब की ओर से रोटरी रसोई लगाई गई। जिसमें चावल, कढी, मूंग व सब्जी का अन्नकूट मात्र 10 रुपये में 500 से अधिक लोगों को उपलब्ध करवाया गया।

गीता में सभी समस्याओं का समाधान

प्रदर्शनी के शुभारंभ अवसर पर अटेली के विधायक सीताराम यादव ने कहा कि भागवत गीता में सभी प्रकार की समस्याओं का निराकरण है। पारिवारिक व सामाजिक रिश्तों को जीने का सही सलीका सिखाती है। बच्चों के अच्छे संस्कार के लिए इसका अध्यन जरुरी है। यह अध्यात्मिक शांति एवं ज्ञान का मार्ग है। यह आज के जीवन में आने वाली चुनौतियों से लड़ना सिखाती है। गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं बल्कि जीवन जीने की विशेष कला है। यह सभी धर्म के लोगों के लिए कारगर है। गीता जयंती के पावन अवसर पर नागरिकों को बधाई देते हुए उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने कहा कि भागवत गीता मानव जाति के लिए हजारों वर्षों से मार्गदर्शन का काम कर रही है।

हवन के साथ किया शुभारंभ

श्रीकृष्ण कृपा सेवा समिति व जीओ गीता परिवार के सहयोग से सुबह नौ बजे सबसे पहले हवन यज्ञ व गीता पूजन किया गया। इसके बाद गीत स्थापना व आरती के साथ सेमिनार का शुभारंभ हुआ। घनश्याम गर्ग के मार्गदर्शन में स्टॉल नंबर दो पर गीता से जुड़े संदेशों को प्रदर्शित किया गया। ईश्वरीय विश्वविद्यालय से बहन अंजू कुमारी ने गीता पर अपने व्याख्यान दिए। एसडीएम मनोज कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्कूल व कॉलेज के बच्चों ने भाग लिया। सीटीएम डा. मंगल सेन, जिला परिषद के अध्यक्ष डा. राकेश कुमार, प्रधान दयाराम यादव, नगर परिषद चेयरपर्सन कमलेश सैनी, जेपी सैनी, सुरेश चौधरी, रामानंद अग्रवाल मौजूद रहे।

मौके पर बनाए बने रहे ड्राइविंग लाइसेंस

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के जिला स्तरीय कार्यक्रम में नागरिकों को प्रशासन की ओर से विकसित भारत जन संवाद कार्यक्रम की तर्ज पर विभिन्न विभागों ने अपनी सेवाएं दी। स्वास्थ्य विभाग ने मौके पर ही आयुष्मान कार्ड बनाए। डीआईटीएस कॉमन सर्विस सेंटर का स्टाल लगाकर आधार कार्ड बनाएं। नागरिक संसाधन सूचना विभाग की तरफ से परिवार पहचान पत्र में त्रुटि ठीक की। जिला रेडक्रॉस समिति की ओर से लगाए गए स्टॉल पर बैटरी चलित तिपहिया साइकिल व सहायक उपकरण उपलब्ध करवाने के लिए दिव्यांग जनों का पंजीकरण कराया। स्वास्थ्य विभाग ने आयुष्मान कार्ड बनाए। वहीं कार्यक्रम में नागरिकों के स्वास्थ्य की जांच भी की। आयुष विभाग ने आयुर्वेदिक दवाइयां वितरित की। एसडीएम कार्यालय की तरफ से मौके पर ही लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस बनाए गए।

श्रीकृष्ण स्कूल भुंगारका में दो दिवसीय वार्षिक स्पोर्ट्स मीट का आयोजन

नारनौल। श्रीकृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल भुंगारका में दो दिवसीय वार्षिक स्पोर्ट्स मीट का आयोजन किया। इस अवसर पर स्कूल प्राचार्य वेदपाल यादव बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करके खेलों का रिबन काटकर शुभारंभ किया। इस दौरान छठी से ग्यारहवीं कक्षा तक के छात्रा-छात्राओं ने 10 से अधिक खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिसमें से प्रमुख खेल कबड्डी, 100 मीटर दौड़, 400 मीटर रिले दौड़, 200 मीटर दौड़, रस्सा-कस्सी आदि प्रमुख थे। इस अवसर पर स्कूल के विद्यार्थियों ने सभी खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्राचार्य वेदपाल यादव ने कहा कि शिक्षा का छात्र जीवन में जितना महत्व है, उतना ही खेलों का भी है। इसलिए सभी छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ अधिक से अधिक खेलों में हिस्सा लेना चाहिए, क्योंकि खेल जहां उन्हें सेहत प्रदान करते है, वहीं उनके शरीरिक व मानसिक विकास में भी अहम योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों में खेल के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य को लेकर स्कूल में स्पोर्ट्स मीट का आयोजन किया गया गया है।

एमआर स्कूल मित्रपुरा में राष्ट्रीय गणित दिवस कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर एमआर पब्लिक स्कूल मित्रपुरा में राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया गया। जिसका शुभारंभ प्रार्थना सभा में महान गणित श्रीनिवास रामानुजन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पवर्षा से किया। इस अवसर पर स्कूल प्रधानाचार्या अनिता यादव ने सभी शिक्षकों व विद्यार्थियों को राष्ट्रीय गणित दिवस की बधाई दी और कहा कि लोगों को गणित की महता बताना तथा उसके प्रति जागरूक करना चाहिए। गणित व गणना हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं। स्कूल में गणित सीखने से लेकर उसे अपने नियमित जीवन मे लागू करने तक हम इस विषय के महत्व को नजरअंदाज नहीं कर सकते है। उन्होंने कहा कि हमें आज रामानुजन द्वारा गणितीय जगत में छोड़ी गई महान विरासत को याद करना चाहिए। पीजीटी गणित अध्यापक रामप्रकाश ने रामानुजन की जीवन शैली से बच्चों का अवगत करवाया। गणित सीखने-सिखाने व उसे प्रोत्साहित करने से जुड़े कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

भास्कर और डीआर टीम प्रथम

- राष्ट्रीय मैथमेटिक्स-डे परगणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

आरपीएस स्कूल खातोद के मिडिल विभाग में शुक्रवार को राष्ट्रीय मैथमेटिक्स-डे पर गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में मुख्यातिथि चेयरपर्सन डॉक्टर पवित्रा राव तथा अध्यक्षता प्राचार्य डॉक्टर किशोर तिवारी ने की। प्रतियोगिता में कुल आठ टीमों के 24 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कुल पांच चरणों में आयोजित हुई इस प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर प्रदर्शन किया। सभी टीमों में कांटे की टक्कर रही जिसमें टीम भास्कर एवं टीम डीआर कापरेकर ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम सीआर राव एवं टीम आर्यभट्ट क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रही। टीम भास्कर एवं टीम डीआर कापरेकर के प्रतिभागियों तेजस, विनय, मोहित सिंघल, साक्षी यादव, पराग एवं दक्ष को गोल्ड मेडल से टीम सीआर के प्रतिभागियों दीपांशु यादव, अखिल एवं विनय को सिल्वर मेडल से तथा टीम आर्यभट्ट के प्रतिभागियों नव्या, लक्षिता एवं जतिन कुमार को ब्रांज मेडल से सम्मानित किया गया। पवित्रा राव ने बताया कि श्रीनिवास रामानुजन की गणित की प्रतिभा से ट्रिनिटी कॉलेज कैंब्रिज विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जीएच हार्डी इतने प्रभावित हुए की उन्होंने रामानुजन को लंदन बुला लिया।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

यदुवंशी में मनाया मैथमेटिक्स-डे

- बच्चों ने गणित पर प्रस्तुत किए मॉडल, किए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। प्रदर्शनी का अवलोकन करते डायरेक्टर। फोटो: हरिभूमि

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में नेशनल मैथमेटिक्स-डे मनाया गया, जिसमें विद्यालय के विद्यार्थियों ने 'गणित प्रदर्शनी' आयोजित की गई। प्रतियोगिता में यदुवंशी ग्रुप चेयरमैन राव बहादुर सिंह मुख्यातिथि, वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव एवं चेयरपर्सन संगीता यादव विशिष्ट अतिथि तथा निदेशक विजय सिंह यादव ने अध्यक्ष के रूप में शिरकत की। बच्चों ने गणित विषय पर मॉडल बनाकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रदर्शनी में उपलब्ध मॉडलों में त्रिआयामी, आकृतियां, धनमूल मशीन, पाइथागोरस फार्मूला, पूर्णांक आधारित मॉडल, द्वि तथा त्रिआयामी आकृतियां, ज्योमिति, वृत्त, त्रिकोणिमति, वर्ग, घन तथा घड़ी पर आधारित मॉडल मुख्य रूप से शामिल रहे। निदेशक विजय सिंह यादव ने कहा कि विश्व को भारतीय गणितज्ञों ने ही जीरो का ज्ञान दिया जिससे प्रत्येक संख्या अस्तित्व में आई। उन्होंने कहा कि आज महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन का जन्म दिवस है। पूरा देश 'नेशनल मैथमेटिक्स डे' के रूप में मना रहा है। चेयरमैन राव बहादुर सिंह, निदेशक विजय सिंह यादव, वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव एवं चेयरपर्सन संगीता यादव ने कहा कि प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य गणित को वास्तविक जीवन में प्रयोग लाने हेतु रूचि को बढ़ावा देना है।

एचपीएस स्कूल की छात्रा हर्षिता ने तीरंदाजी में जीता सिल्वर, सम्मान में निकाला जुलूस

नारनौल। नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल की छात्रा हर्षिता पुत्री वीरेंद्र कुमार ने राष्ट्रीय स्तर तीरंदाजी प्रतियोगिता में राज्य का प्रतिनिधित्व करने व सिल्वर मेडल प्राप्त करने पर उत्सव जीत का कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों व अध्यापकों ने विजय जुलूस निकाला। विजय जुलूस को नप चेयरपर्सन कमलेश सैनी व प्रबंधन कमेटी से डा. हितेश वर्मा व निधि वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस जुलूस के दौरान विद्यार्थियों व अध्यापकों ने नाच कूद कर अपनी खुशी जाहिर की। यह जुलूस सैनी धर्म कांटा, होंडा चौक, महावीर चौक, रेवाड़ी रोड, अग्रसेन चौक, काठ मंडी, महता चौक, पुरानी मंडी होकर वापस स्कूल प्रांगण पहुंचा। हर्षिता को जगह-जगह पर शहर के गणमान्य लोगों ने पुष्प वर्षा व फूल माला से सम्मानित किया। छात्रा हर्षिता ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता व एचपीएस गुरुजनों को दिया। वह एशियन गेम, ओलंपिक गेम व अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर देश का नाम रोशन करना चाहती है।

बीपीएस स्कूल में राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर गणित प्रश्नोत्तरी आयोजित

नारनौल। महान गणितज्ञ श्रीनिवासन रामानुजन इयंगर की जयंती व राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन बीपीएस स्कूल के ऑल्ड लाइब्रेरी हॉल में किया गया। बच्चों के प्रेरणा के रूप में संस्था वाइस चेयरमैन कमल संघी व सहसचिव डा. करण चौधरी विषेष रूप से उपस्थित रहे। श्रीनिवासन रामानुजन इयंगर को श्रद्धांजलि प्रदान कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता प्राथमिक व माध्यमिक स्तर पर आयोजित की गई। जिसमें संस्था के चार सदन सैफायर, टोपेज, रूबी व एमरेल्ड से छह-छह छात्र-छात्राओं की चार टीमों ने भाग लिया। प्रश्नोत्तरी गणित विभाग के अध्यापक दिनेश कुमार, सुनिता चौधरी व सुप्रिया दीक्षित के नेतृत्व में आयोजित की गई। जिसमें विवज मास्टर की भूमिका मंजीत कौर व दिनेश कुमार ने निभाई। प्रतियोगिता में चार राउंड रखे ग। जिनमें प्रश्नोत्तरी राउंड, बजर राउंड, विजुअल राउंड व रैपिड फायर राउंड हुए।

कृषि विभाग की ओर से एक दिवसीय किसान मेले का आयोजन

सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं किसान

- अंतरराष्ट्रीय पोषक दिवस पर किसान मेले का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सतनाली मंडी

सतनाली मंडी। मेले में किसानों को संबोधित करते विषय विशेषज्ञ। फोटो: हरिभूमि

अनाज मंडी सतनाली में कृषि विभाग की ओर से शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के अंतर्गत एक दिवसीय किसान मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एसडीएम हर्षित कुमार, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय हिसार के पूर्व शिक्षा निदेशक डा. एचडी यादव मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपनिदेशक कृषि एवं किसान कल्याण विभाग नारनौल डा. देवेंद्र सिंह बाजया ने की। इस अवसर पर उपमंडल कृषि अधिकारी डा. अजय यादव ने विभाग की ओर से चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताया। इस अवसर पर पीएम किसान, पीएमएफबीवाई, भावांतर भरपाई, क्षतिपूर्ति, मेरी फसल-मेरा ब्यौरा, बायोगैस आदि योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया और किसानों से इनका लाभ उठाने का आह्वान किया। इस अवसर पर पूर्व शिक्षा निदेशक डा. एचडी यादव ने किसानों को आमदनी बढ़ाने व भूमि स्वस्थ रखने तथा एफपीओ जैसी नई-नई जानकारी साझा की। कृषि विज्ञान केंद्र महेंद्रगढ़ के डा. राजपाल यादव ने मृदा विज्ञान, डा. आशीष शिवरामण ने प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तार से बताया और रबी सीजन की फसल की बीमारियों के बारे में बताया तथा मोटे अनाज के फायदों के बारे में बताया। बीटीएम मनीषा ने मोटे अनाज में पाए जाने वाले पोषक तत्वों के बारे में बताया।

ये रहे मौजूद

पशुपालन विभाग से डा. विनोद श्योराण ने स्कीमों के बारे में बताया और इनके लाभ के बारे में किसानों को बताया। सहायक कृषि अभियंता रामसिंह बरवाला ने कृषि क्षेत्र में प्रयोग होने वाले कृषि यंत्रों पर उपलब्ध अनुदानों के बारे में जानकारी दी। अंत में मुख्य अतिथि ने मेले में कृषि विशेषज्ञों की ओर से दी गई जानकारी व तकनीक को अपनाकर उत्पादन बढ़ाने का आह्वान किया। इस मौके पर डा. हरपाल सिंह, डा. सतबीर, डा. संजय यादव, डा. मनोज डाबला, एडीओ सतप्रकाश, एडीओ अरविंद, एग्री सुपरवाइजर कविता, अनामिका, अनिल, कृष्ण, विकास आदि मौजूद थे।

Notice

I, Jitender Arora S/o Late Sh. Ved Prakash R/o Vill. Chanduwara, Teh. Narnaul, Distt. Mahendergarh (HR) my father Late Sh. Ved Prakash expired on 23.11.2020 and he has left behind the following legal heirs : 1. Reena Arora (Daughter) 2 Deepak Arora (Son) 3 Jitender Arora (Son) 4 ravi Arora (Son). There is no other legal heir of except the above mentioned legal heirs. If anyone has any objection regarding this he/she can raise objection within 30 days of publication in the office of Tehsildar, Narnaul

सूचना

मैं, गोदावरी देवी पत्नी स्व. श्री नारायण सिंह निवासी मोहल्ला खडखडी, वार्ड नं. 15, सीआईए रोड, नारनौल, जिला महेन्द्रगढ़, हरियाणा बयान करती हूं कि मेरा पुत्र सन्तोष बोहरा व मेरी पुत्रवधु रंजना मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित।

नोजल व केबल चोरी के का आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। नोजल व केबल चोरी के मामले में स्पेशल स्टॉफ कनीना की टीम ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान मिन्नी उर्फ मुकेश वासी बोचड़िया अटेली के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपित का पता लगाया और उसको राजस्थान क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपित को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। सुरेन्द्र कुमार वासी फतेहपुर फतनी ने पुलिस को शिकायत दी थी।

नांगल चौधरी। मोटे अनाज की जागरूकता रैली को रवाना करते बीटीएम डा. जसवंत सिंह।

मोटे अनाज बढ़ती है शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता

नांगल चौधरी। कृषि विभाग ने पीएम श्री गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं की मदद से शहर में रैली निकालकर मोटा अनाज खाने के लिए प्रेरित किया। छात्राओं ने घर-घर जाकर मोटे अनाज में होने वाले पौषक तत्वों से अवगत करवाया। खरीदने और पकाने में भी सुविधा रहेगी। बीटीएम डा. जसवंत सिंह ने की। उन्होंने कहा कि शरीर का स्वास्थ्य खानपान पर निर्भर रहता है।

नारनौल। कार्यक्रम में छात्राओं को महिला सुरक्षा के बारे में जागरूक करते हुए। फोटो : हरिभूमि

गोद स्कूल में महिला सुरक्षा पर कार्यक्रम

नारनौल। राकनवि गांव गोद में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक शारदा, एसआई सविना, एसआई सरिता व लीगल एड से गिरिबाला उपस्थित रही। उन्होंने स्कूल में उपस्थित सभी छात्राओं को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण के विषय मे विस्तार पूर्वक बताया।

गीता जयंती पर अष्टादश श्लोकी गीता वाचन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में गीता जयंती पर अष्टादश श्लोकी गीता वाचन का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ऑनलाइन संबोधन में मानव जीवन में गीता के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि गीता सदैव ही जीवन में सही राह दिखाने का कार्य करती है।

नीरपुर स्कूल में मोटे अनाज पर कार्यक्रम

मंडी अटेली। गांव नीरपुर में कृषि विभाग की ओर से मोटे अनाज के महत्व पर एक जागरूकता शिवर किया। प्राचार्य दयानंद यादव व सुरेन्द्र यादव द्वारा किया गया। मोटे अनाज की महता पर प्रकाश डाला। डॉ. वीर कुमार ने कहा कि मोटे अनाज अत्यधिक पौषक, अम्ल रहित, गुलेटिन मुक्त और आहार से युक्त होते हैं।

प्रधान के पिता के निधन पर जताया शोक

महेंद्रगढ़। रोटरी क्लब के प्रधान मुकेश मेहता के पिता लक्ष्मण मेहता का रविवार को स्वर्गवास हो गया था। क्लब के सदस्यों ने शोक संतृप्त परिवार को उनके घर जाकर उनको श्रद्धांजलि दी व शोक संतृप्त परिवार को ढांढस बंधाया। नरेश चेयरमैन ने बताया की दिवंगत लक्ष्मण मेहता बहुत ही हंसमुख व सामाजिक व्यक्तित्व के धनी थे।

परीक्षा परिणाम पोर्टल पर अपडेट करने में शिक्षकों की रूचि नहीं, मात्र 9% ही काम हुआ

- किसी भी जिले में 20 प्रतिशत से अधिक बच्चों का परिणाम पोर्टल पर नहीं हो पाया है अपडेट

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

सरकारी विद्यालयों में गत दिनों आयोजित हुई विद्यार्थी मूल्यांकन परीक्षा (सैट) का परिणाम अवसर पोर्टल पर अपडेट करने में शिक्षक नहीं दिखा रहे हैं। शिक्षकों की तरफ से अवसर पोर्टल पर कक्षा छठी, सातवीं, आठवीं, नौवीं व 11वीं की परीक्षा का परिणाम अपलोड किया जाना था, लेकिन अभी तक जिले में महज 20 प्रतिशत से कम बच्चों का परिणाम पोर्टल पर अपलोड किया गया है। इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि विभागीय आदेशों का पालन किस तरह से किया रहा है। विभाग की तरफ से गत 11 दिसंबर को जारी की गई रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश के किसी भी जिले में 20 प्रतिशत से अधिक बच्चों का परिणाम अपलोड नहीं हुआ है।

महेंद्रगढ़। खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय।

अभी तक किस जिले में क्या है स्थिति

जिला	कुल विद्यार्थी	कुल डाटा एंट्री	डाटा एंट्री %	जिला	कुल विद्यार्थी	कुल डाटा एंट्री	डाटा एंट्री %
अंबाला	30437	2596	9%	कुरुक्षेत्र	31492	2615	8%
भिवानी	34858	2925	8%	महेंद्रगढ़	20923	2364	11%
चरखी दादरी	12083	1338	11%	नूंह मेवात	89592	5263	6%
फरीदाबाद	43162	2026	5%	पलवल	40793	2442	6%
फतेहाबाद	42563	2983	7%	पंचकूला	23645	2314	10%
गुरुग्राम	55689	10289	18%	पानीपत	37610	3470	9%
हिसार	51930	4831	9%	रेवाड़ी	22784	4076	18%
झज्जर	21591	1624	8%	रोहतक	22481	2632	12%
जींद	42467	4723	11%	सिरसा	53242	4062	8%
कैथल	42257	5220	12%	सोनीपत	39949	3083	8%
करनाल	47479	4907	10%	यमुनानगर	36964	1983	5%
				कुल	843991	77766	9%

केवल 9 जिले ही कर पाए हैं 10 प्रतिशत परिणाम अपलोड: प्रदेश के सभी जिलों में कक्षा छठी, सातवीं, आठवीं, नौवीं व 11वीं के 843991 विद्यार्थी सरकारी स्कूलों में पढ़ाई कर रहे हैं। इन जिलों में 77766 विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम अवसर पोर्टल पर अपडेट हो पाया है। विभागीय जानकारी के अनुसार अंबाला, भिवानी, फरीदाबाद, फतेहाबाद, हिसार, झज्जर, कुरुक्षेत्र, नूंह, पलवल, पानीपत, सिरसा, सोनीपत, यमुनानगर में 10 प्रतिशत से भी कम बच्चों का परिणाम अवसर पोर्टल पर अपलोड हुआ है। वहीं बाकी जिलों में भी स्थिति ज्यादा अच्छी नहीं है। इनमें 20 प्रतिशत से भी कम परिणाम पोर्टल पर अपलोड हुआ है। जिला चरखी दादरी, गुरुग्राम, जींद, कैथल, करनाल, कुरूक्षेत्र, महेंद्रगढ़, पंचकुला, रेवाड़ी व रोहतक ही 10 प्रतिशत से अधिक डाटा पोर्टल पर अपडेट कर पाए हैं। रेवाड़ी व गुरुग्राम जिले ही जो 18 प्रतिशत के करीब पहुंचे हैं।

जल्द होगा डाटा अपडेट

खंड शिक्षा अधिकारी अलका ने बताया कि संबंधित कक्षाओं के शिक्षकों को मुखियाओं के माध्यम से जल्द से जल्द परीक्षा का परिणाम पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। एक-दो दिन में सभी परिणाम अपलोड होने की - उम्मीद है।

नपा में नहीं स्थायी अधिकारी, सचिव व एमई के पास तीन स्थानों का कार्यभार

आपसी तालमेल के अभाव में रुका शहर का विकास, अब किया मंथन

- नगर पालिका चेयरमैन एवं पार्षद बोले, पहले के अधिकारियों ने नहीं थी जानकारी, प्रपोजल नहीं भेजे नियमानुसार
- अभी तक मुख्यालय की ओर से सचिव व एमई के पोर्टल को नहीं मिली है स्वीकृति, केवल एनडीसी पोर्टल हुआ है ओपन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। नगर पालिका कार्यालय में बैठक करते अधिकारी, प्रधान व शहर के पार्षद तथा बैठक के दौरान सचिव से बाते करते पार्षद सुरेंद्र फौजी। फोटो : हरिभूमि

नगर पालिका में शहर में विकास कार्य शुरू नहीं होने के कारणों को लेकर शुक्रवार को अधिकारियों व पार्षदों की बैठक हुई। जिसमें पार्षद ने अधिकारियों से विकास कार्य न होने के कारणों पूछने के साथ अधिकारियों की कार्यशैली से नाराजगी दिखाते हुए रोष जताया। बैठक में निष्कर्म निकलकर सामने आया है कि अभी तक विकास कार्यों के जो प्रपोजल भेजे गए हैं, वह नियमानुसार नहीं थे। प्रस्ताव में कमियों होने के कारण उन्हें स्वीकृति नहीं मिल पाई है। इसके अलावा शहर के पार्षदों ने पूर्व अधिकारियों पर जानकारी होने के कारण गलत प्रपोजल भेजने के भी आरोप लगाए। बैठक में पार्षद ने अधिकारियों से जल्द से जल्द विकास कार्य शुरू कराने की कार्यवाही शुरू करने की मांग की, ताकि शहर के विकास कार्य जल्द शुरू हो सकें।

10 दिन से नारनौल एजेंसी में खडे.हैं टेंपो

नगर पालिका के पास डोर टू डोर कूड़ा उठान के लिए पांच टैंपों हैं, जिसमें से तीन टैंपों 10 दिन पहले खराब हो गए थे। दरोगा ने अधिकारियों को सूचित कर टैंपों को ठीक कराने के लिए एजेंसी में खड़ा कर दिया था, लेकिन किसी कारणवश एजेंसी ने टैंपों की मरम्मत नहीं की, लेकिन कर्मचारियों ने इस बारे में अधिकारियों को सूचना ही नहीं दी। जिस कारण शहर में कूड़े का उठान नहीं हो पाया। बैठक में पार्षदों ने कूड़ा उठान का मामला उठाया तो सामने आया कि अधिकारियों को इस बारे में कोई जानकारी नहीं हैं। इसके बाद संबंधित कर्मचारियों को बैठक में बुलाया गया। कर्मचारी इस बारे में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए।

कूड़ा उठान के टेंडर पर लगा ब्रेक

अप्रैल माह में आयोजित हुई फाइनेंस कमेटी की बैठक में शहर के कूड़ा उठान के लिए 2.50 करोड़ रुपये का प्रस्ताव पास किया गया है। यह प्रस्ताव स्वीकृति के लिए डीएमसी के पास भी भेजा गया था, लेकिन आठ माह बीत जाने के बाद कूड़े के उठान के टेंडर को अनुमति नहीं उठाई। बैठक में जब पार्षदों ने सवाल कूड़ा उठान के संबंधित सवाल किया तो अधिकारियों ने बताया कि फाइनेंस कमेटी को केवल 50 लाख रुपये तक के कार्य कराने के अनुमति होती है। इससे अधिक राशि के लिए बैठक में डीएमसी का भी होना आवश्यक है। इसके बाद पार्षदों ने अधिकारियों से कूड़ा उठान के लिए दोबारा से टेंडर प्रक्रिया शुरू करने की मांग की।

सात माह से नहीं हुआ बिल का भुगतान

नगर पालिका के अधिकारियों व कर्मचारियों की ओर से काफी जरूरत के सामान बाजार के व्यापारी से खरीदे गए थे, लेकिन सात माह बीत जाने के बाद भी इन बिलों का भुगतान नहीं हो पाया है। जब पार्षदों ने यह मुद्दा अधिकारियों के सामने उठाया तो कर्मचारियों से जानकारी लेने के लिए उन्हें बैठक में बुलाया गया। अधिकारियों ने कर्मचारियों से सामान की खरीद प्रक्रिया की जानकारी लेने के बाद सामने आया है कि पूर्व अधिकारियों ने सामान के खरीद प्रक्रिया की सही जानकारी नहीं थी। जिस कारण अभी तक बिलों अदायगी नहीं हो पाई है।

स्थायी अधिकारियों के बिना कैसे होगा विकास

कुछ दिन पहले नगर पालिका के सचिव अनिल कुमार व एमई सुमित कुमार ने नगर पालिका महेंद्रगढ़ कार्यभार संभाला हैं। अब दोंनो अधिकारियों के पास तीन जगह का कार्यभार हैं। ऐसे में अधिकारियों के पास काम काफी दवाब हैं। ऐसे में उम्मीद लगाई जा सकती है कि शहर में विकास कार्य शुरू होने में लंबा समय लग सकता है। इसके अलावा नगर पालिका में अभी बीआई, एसआई व अकांटेंट का पद रिक्त हैं। जिसके चलते शहर में विकास कार्य शुरू नहीं हो पा रहे हैं। वहीं सचिव व एमई के पोर्टल को एसीएस को अभी तक स्वीकृति नहीं मिल पाई है। जेई की ओर से भेजे की ओर से बनाए गए प्रस्ताव दोनों अधिकारियों पोर्टल पर लंबित पड़े हैं। सचिव व एमई को केवल अभी एनडीसी से संबंधित कार्य करने की ही अनुमति मिल पाई है।

सर्दी से फसलों को बचाने के लिए करें हल्की सिंचाई

- लो-टनल तकनीक का सहारा ले या फसलों को पन्नियों से ढंके

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सर्दी के मौसम में पड़ने वाले घने कोहरे, धुंध और कड़ाके की सर्दी से सब्जियों की फसलों को पाले के नुकसान से बचाने के लिए किसान हल्की सिंचाई करें तथा लो-टनल तकनीक का सहारा ले या फसलों को पन्नियों से ढंके। इस बारे में जिला उद्यान अधिकारी प्रेम यादव ने बताया कि पाले से सबसे पहले सब्जी वाली फसलों की पत्तियां प्रभावित होती हैं। फूल झुलस कर गिर जाते हैं, फिर टहनियां व बाद में पौध सूखने लगते हैं। पौधों पर पहले काले व भुरे दानेदार धब्बे बनते है, फिर सब्जियों के फलों पर धब्बे बनते है और फसल खराब हो जाती है।

किसान उचित कदम उठाकर कर सकते हैं सब्जी की फसलों का बचाव: जब पाला पड़ने की संभावना हो उन दिनों दो ग्राम प्रति लीटर पानी में घुलनशील गंदक का का घोल बनाकर छिड़काव करें। साथ ही जब पाला पड़ने की संभावना हो तब फसलों में हल्की सिंचाई कर देनी चाहिए। जिससे तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं गिरेगा और फसलों को पाले से होने वाले नुकसान से बचाएगा। खेत के चारों ओर धुंआ करें, हल्की सिंचाई करें। फफूंदकनाशक रसायन का छिड़काव करें। रात के समय सब्जियों के पौधों को प्लास्टिक की पन्नियों से ढक दें। इससे पाले से बचाव होगा। जिनकी सब्जियों की नर्सरी तैयार है, उन्हें ठंड से बचाने के लिए प्लास्टिक या पुराल से ढकें। लो-टनल तकनीक का इस्तेमाल करें, इससे कम नुकसान होगा। किसानों को फायदा मिलेगा।

बागवानी पर अनुदान का प्रावधान: किसान बागवानी फसलों को पाले से बचाने के लिए प्लास्टिक लो-टनल तकनीक अपना कर अपनी सब्जी की फसल को पाले से बचा सकता है व इस स्कीम पर बागवानी विभाग की तरफ से 50 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। इस स्कीम का लाभ लेने के लिए किसान विभाग के पोर्टल एचओआरटीएनईटी डॉट जीओवी डॉट इन पर 15 जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं। इस स्कीम का लाभ पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा।

डॉ. राजकुमार गोयल को 'इलस्ट्रियस एलुमनी अवार्ड' से नवाजेंगे उपराष्ट्रपति

डा. राजकुमार गोयल।

मंडी अटेली। संयुक्त शैक्षणिक और प्रशासनिक समिति (जेएएसी) की ओर से अटेली मंडी निवासी डा. राजकुमार गोयल पुत्र स्व. हरिभूषण गोयल का चयन 'इलस्ट्रियस एलुमनी अवार्ड'-2023 के लिए किया है। डा. गोयल को पूर्व छात्र संबंध विभाग पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ की ओर से 23 दिसंबर को आयोजित की जाने वाली चतुर्थ वैश्विक पूर्व छात्र बैठक के दौरान भारत के उपराष्ट्रपति एवं पंजाब विश्वविद्यालय के चांसलर जगदीप धनखड़ इलस्ट्रियस एलुमनी अवार्ड प्रदान करेंगे। उल्लेखनीय है कि यह पुरस्कार पंजाब यूनिवर्सिटी एलुमनी एसोसिएशन (पीयूएए) द्वारा ऐसे दो प्रतिष्ठित पूर्व छात्र, जिन्होंने अपने व्यवसायिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और संस्थान के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है, को दिया जाता है।

सांस्कृतिक अहीरवाल का सम्मान समारोह 24 को

- कार्यक्रम में 100 से अधिक लोगों को किया जाएगा सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सांस्कृतिक अहीरवाल का इतिहास लेखक सम्मान समारोह का आयोजन 24 दिसंबर को हुडा के नजदीक स्थित राधा कृष्ण मैरिज पैलेस में आयोजित किया जाएगा। इसमें नारनौल शहर के विभिन्न मोहल्लों के इतिहास लेखन का काम पूर्ण होने पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। नारनौल नगर इकाई के संयोजक रामसिंह मधुर ने बताया कि नारनौल के पुराने नौ मोहल्ले तथा बांस तथा जमालपुर नाम के अलग से जो गांव होते थे, इन सबको मिलकर 11 मोहल्लों का सांस्कृतिक अहीरवाल संस्था ने इतिहास लिखने का प्रयास किया है। अब इस काम के पूर्ण होने पर इस काम में सहयोग करने वाले नगर के प्रमुख नागरिकों का एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक अहीरवाल के निदेशक सत्यव्रत शास्त्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजक राजेश शास्त्री ने भी बताया कि संस्था ने अभी तक 13 सौ गांवों का इतिहास लिखने का काम पूरा किया है। शेष काम भी शीघ्र पूरा करने की योजना चल रही है। इस सम्मान समारोह में सभी इतिहास लेखन के कार्य में सहयोग करने वालों को एक प्रशस्ति पत्र और पटका पहनकर सम्मानित किया जाएगा। यह कार्यक्रम रविवार को प्रातः 11 बजे राधा कृष्ण मैरिज पैलेस में आयोजित होगा। नगर के 100 ऐसे व्यक्ति हैं, जिनको यह सम्मान मिलेगा।

सतनाली मंडी। अक्षत कलश के साथ शोभा यात्रा निकालते कार्यकर्ता।

अयोध्या से पहुंचे पूजित कलश का किया स्वागत

सतनाली मंडी। अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर पूजित अक्षत कलश का सतनाली पहुंचने पर आदर्श गौशाला सतनाली में स्वागत किया गया। प्रखंड अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल ने बताया कि अक्षत कलश को जिला अभियान संयोजक सांवत सिंह गोद सतनाली लेकर पहुंचे और प्रखंड अभियान संयोजक प्रवीन ने इसे प्राप्त किया। इसके बाद अक्षत कलश के साथ कस्बे में शोभा यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम में प्रखंड अध्यक्ष प्रमोद व जिला गोसेवा प्रमुख हरिसिंह इत्यादि मौजूद रहे।

जिसकी नियत साफ, वही राम राज्य का नागरिक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हुडा सेक्टर एक में स्थित प्लाट नम्बर 166 में महिला मंडल की ओर से आयोजित नौ दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा में आठवें दिन वृंदावन के महाराज जय कृष्ण शास्त्री ने कथा सुनाते हुए कहा कि जिसकी नियत साफ है, वह निश्चित रूप से राम राज्य का नागरिक है। कथा का वाचक करते हुए शास्त्री ने कहा गंगा को पार करके प्रभु श्रीराम प्रयाग पहुंचे। महर्षि भारद्वाज व वाल्मीकि जी से प्रभु श्रीराम का मिलन हुआ। उसके बाद प्रभु श्रीराम ने चित्रकूट में निवास पहुंचे। उसके बाद सुमंत जी अयोध्या गए तो देखा कि महाराज दशरथ ने अपने प्राण त्याग दिए थे। इसके बार में जब भरत को पता चला की उनके बड़े भाई राम वनवास चले गए है तो भरत ने राम से मिलने के लिए अवध परिकर के साथ चित्रकूट में मिलने के लिए चले गए। भरत का चरित्र हमें सिखाता है कि एक भाई से भाई का क्या प्रेम होना चाहिए। बड़े भाई की क्या मर्यादा हमें रखना चाहिए। इसके लिए महाराज ने कथा में सुंदर वृत्तांत सुनाया। भरत का मिलन चित्रकूट में श्री राम जी से हुआ। उसके बाद भरत ने प्रभु श्रीराम की चरण पादुकाएं लेकर अयोध्या लौट आए व अयोध्या पहुंचकर भरत जी ने भगवान राम की चरण पादुकाओं को स्थापित कर दिया। इससे पूर्व श्री राम कथा के शुभारंभ महाराज ने आरती से किया।

नारनौल। श्रीराम कथा के दौरान आरती करती महिला मंडल से जुड़ी महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण पर जागरूकता अभियान

महेंद्रगढ़। एसपी नितिश अग्रवाल के निर्देश पर महिला सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण को लेकर पुलिस द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया। थाना शहर पुलिस टीम द्वारा गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति स्कूल में छात्राओं को महिला सुरक्षा संबंधी अधिकारों की जानकारी देकर जागरूक किया। सार्वजनिक स्थानों, स्कूल, कॉलेज तथा शैक्षणिक संस्थानों पर जाकर छात्राओं को महिला सुरक्षा के लिए जागरूक किया जा रहा है। थाना शहर से एसआई मनीषा ने कार्यक्रम के तहत छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। छात्राओं को आपात स्थिति में तत्काल डायल 112 पर पुलिस को सूचित करें। एसआई मनीषा ने कहा कि किसी भी प्रकार की घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर मानसिक एवं शारीरिक प्रताड़ना, टिप्पणी करना, बातचीत करने के लिए दबाव डालना, छेड़ाछाड़ जैसी किसी भी घटना पर तत्काल पुलिस, परिजनों व शिक्षकों को सूचित करें।

शास्त्री कॉलोनी के निवासी देंगे 7100 दीयों का सहयोग

महेंद्रगढ़। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह राष्ट्र प्रतिष्ठा समारोह है। यह सनातन के लिए एक स्वर्णिम दिवस है तथा हिंदुओं के लिए दीपावली का पर्व है। उपरोक्त बात शहर की शास्त्री कॉलोनी में हुड्डा पार्क में 22 जनवरी को एक लाख दीपक जलाए जाएंगे उसकी योजना बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. भूषण तिवारी ने कहीं। उन्होंने आह्वान किया कि कॉलोनी का प्रत्येक व्यक्ति इस कार्यक्रम हेतु अपना योगदान दे। अनीता तिवारी, भगवती यादव, कुसुम यादव, ललिता यादव, सुदेश शर्मा ने आश्वासन दिया कि कॉलोनी की तरफ से 7100 दीपक जलाए जाएंगे। सभी मातृशक्ति इकट्ठा होकर शाम पांच हुड्डा पार्क पहुंचकर इस कार्यक्रम में अपनी सहभागिता देगी। कुसुम यादव ने कहा कि राम 500 वर्ष के बाद अपने स्थान पर विराजमान हो रहे हैं। यह हम महिलाओं के लिए बहुत ही गर्व की बात है। अब तक हम अन्य धार्मिक स्थानों पर जाते रहे।

महेंद्रगढ़। बैठक करने के बाद उपस्थित कॉलोनी के निवासी। फोटो : हरिभूमि

सेंट जॉन रेडक्रॉस भवन में कार्यक्रम, विजेता किए सम्मानित

पांच दिवसीय जेआरसी प्रशिक्षण शिविर संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वावधान व उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस समिति अध्यक्ष मोनिका गुप्ता के मार्गदर्शन में सेंट जॉन रेडक्रॉस भवन में आयोजित पांच दिवसीय जेआरसी प्रशिक्षण शिविर के अंतिम दिन शुक्रवार को रेडक्रॉस सचिव महेश गुप्ता ने प्रशिक्षण शिविर के दौरान हुई प्रतियोगिताओं में अव्वल रहे प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।

इससे पूर्व शिविर के प्रातः कालीन सत्र में जिला उपभोक्ता आयोग से प्रदीप कुमार ने उपभोक्ताओं के अधिकारों के बारे में जागरूक करते हुए कहा कि उपभोक्ता को सामान खरीदते हुए एक्सपायरी डेट अवश्य देखते हुए पक्का बिल जरूर लेना चाहिए। इस अवसर पर कैंप के चीफ कंट्रोलर प्राचार्य ब्रह्मप्रकाश दहिया की अध्यक्षता में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इसमें डा. सीएस वर्मा ने चार राउंड में प्रतियोगिता का संचालन किया। पीएम श्री अटेली के अंतिम व मुस्कान की टीम प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक नीरपुर के अतर सिंह व पीयूष की टीम द्वितीय रही तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक बाछोद के राहुल व समीर तथा मॉडल संस्कृति स्कूल के योगेश व हर्ष की टीम संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रही। प्रवक्ता भूपसिंह भारती व सुभाष सोनी ने स्कोरर की भूमिका निभाई तथा सरताज सिंह ने टाइमर की भूमिका निभाई। इस प्रतियोगिता में लड़कियों में बेस्ट जेआरसी पीएम श्री अटेली की छात्रा सोनी व मॉडल संस्कृति स्कूल के छात्र भव्य को लड़कों में बेस्ट जेआरसी चुना गया।

संचालन प्रवक्ता सीएस वर्मा ने किया। इस मौके पर डा. एसपी सिंह, पवित्रा यादव, मनीषा कुमारी, सुभाष सोनी, सरताज सिंह, अंजना, शारदा यादव, बबीता चावला, नीतू पूनिया, अगेंद्र, सुभाष गुप्ता, विजयपाल, सत्यवीर सिंह, शोभा बलवान शर्मा, राजकुमार व्यास, ओमप्रकाश व रेखा सहित विभिन्न स्कूलों से जेआरसी काउंसलर्स मौजूद रहे।

- संस्कृति स्कूल के छात्र भव्य व जेआरसी पीएम श्री अटेली की छात्रा सोनी को चुना गया बेस्ट जेआरसी

नारनौल। सम्मानित करते रेडक्रॉस सचिव महेश गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005